श्रम विभाग

दिनांक 11 जुलाई, 1985

सं.भो.वि./एफ.डी./131-85/28895.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. विवृत्ति उद्योग प्रा. लि., 15 माईल स्टोन, मथुरा रोड़, फ़रीदाबाद, के श्रमिक राम विनोद आ तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हृरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी श्रधिसूचना सं. 5415-3-श्रम 68/5254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुये श्रधिसूचना सं. 11495-जी-श्रम 57/11245, दिनांक 7 फ़रवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रधिसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय फ़रीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय- तिणंय के लिये निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त श्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा संबंधित मामला है :--

क्या राम विनोद झा की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है; यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है?

सं.श्रो.वि/एफ.डी/119-85/28916--चूंकि हरियाणाके राज्यपाल की राय है कि मैं. सुरेन्द्रा ब्रदर्स. डी. एल. एफ. एरिया, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री जगदीण प्रसाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल बिवाद को न्यायनिर्णय हेतू निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

. इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की वारा 10 की उपवारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 5415-3-अम 68/5254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं 11495-जी-श्रम 57/11245, दिनांक 7 फरदरी, 1958 द्वारा उनत अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गटित श्रम न्यायालय फ़रीदाबाद को दिवादकरत या उससे सुसंगत या उससे २ १ १६ र १ विवाद से एक १ १६ विवाद के किया निर्देश्व वरते हैं जे कि उरत प्रदाशकों तथा श्रमिक के बीच या तो दिवादकरत मामला है था दिवाद से सुसंगत अश्वा संबंधित सामला है :—

क्या श्री जगदीश प्रसाद की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है; यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं.स्रो.वि./एफ.डी./61-85/28923.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. गुडईथर इन्डिया लि., बल्लबगढ़, के श्रमिक श्री हेम राज तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हैत् निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिप्टिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई मिलियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिस्चना सं. 5415-3-अम 68/5254, दिनांक 20 जून, 1968 के साथ पड़ते हुये ग्रिधिस्चना सं. 11495-जी-अम 57/11245, दिनांक 7 करवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिस्चना की धारा 7 के ग्रियोग गठित अभि न्यायालय करीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बंधित नीचे लिखा मामला न्याय-निर्णय के लिये निर्देश्व करने हैं जो कि उक्त प्रश्लेशकों तथा अभिक्ष के बीच या तो विवादग्रस्त मामना है या विवाद से सुसंगत ग्रथना संबंधित माम ला है:—

क्या श्री हेम राज की सेवाग्नों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है; यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?